दैनिक जागरण 16/09/2025

# देशज कृषि पद्धतियों, स्थानीय फसलों की खेती के बारे में जाना

अंबाला (विज्ञप्ति) : गांधी मेमोरियल नेशनल कालेज अंबाला कैंट के समाजशास्त्र एवं अंग्रेज़ी विभागों द्वारा संयुक्त रूप से अंतरविभागीय विशेष कार्यक्रम ग्रीन फिल्म रिव्यू एंड इको-पाडकास्ट : वाइसेज़ आफ द अर्थ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण सीड कीपर्स (2020) नामक सशक्त वृत्तचित्र का प्रदर्शन तथा डाउन टू अर्थ की वीडियो प्रस्तुति रही। दोनों ने ही देशज बीजों के संरक्षण, सतत एवं जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा जैव विविधता की रक्षा के महत्व को उजागर किया। इन सत्रों ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया और यह स्मरण कराया कि खाद्य सुरक्षा, पारिस्थितिकीय स्थिरता और सांस्कृतिक धरोहर आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं। इस अवसर पर कुल 52 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि जैव विविधता की रक्षा केवल वैज्ञानिक या कृषि संबंधी चिंता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण-संवेदनशीलता के वाहक बनना चाहिए ताकि अतीत की बुद्धिमत्ता संरक्षित रहे।